पंजाब केसरी 11/09/2025

समाज को जोड़ती है हिंदी भाषा : डा. रोहित दत्त

अम्बाला, 10 सितम्बर (बलराम): गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज, अम्बाला छावनी के हिंदी विभाग एवं हिंदी साहित्य परिषद् द्वारा राजकीय वरिष्ठ विद्यालय, बी.सी. बाजार में एक विशेष आऊटरीच गतिविधि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए हिंदी भाषा की महत्ता पर आधारित विभिन्न छोटी-छोटी गतिविधियां भी आयोजित की गई। इनमें क्विज प्रतियोगिता, कविता वाचन, स्लोगन लेखन एवं तात्कालिक भाषण शामिल थे। इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों की सृजनात्मकता को प्रोत्साहित किया और उन्हें हिंदी के महत्व पर गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित किया।

प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि हिंदी भाषा समाज को जोड़ने का कार्य करती है और आज की पीढ़ी को इसे आत्मसम्मान के साथ अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी दिवस हमारी मातृभाषा को सम्मान देने और उसके प्रचार-प्रसार का संकल्प लेने का दिन है। उन्होंने आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति गर्व और आत्मीयता की भावना को जागृत करते हैं।

हिंदी विभागाध्यक्ष डा. रितु गुप्ता ने कहा कि हिंदी हमारी सांस्कृतिक पहचान और गर्व का प्रतीक है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे हिंदी भाषा को केवल विषय के रूप में न पढ़ें, बल्कि अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। यही सच्चा सम्मान होगा हमारी मातृभाषा का।

डा. राजेंद्र देशवाल ने कहा कि हिंदी साहित्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और मानवीय मूल्यों के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डा. अनीश कुमार ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हिंदी जैसी सरल और सहज भाषा ही विद्यार्थियों को रचनात्मक सोच और आत्मविश्वास की ओर प्रेरित कर सकती है। इस अवसर पर उपस्थित सभी विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। विभाग ने यह आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियां निरंतर आयोजित की जाएंगी, ताकि विद्यार्थियों को हिंदी भाषा और साहित्य से निरंतर जोड़ते हुए, उन्हें समाज और राष्ट्र की मुख्यधारा से अधिक सशक्त रूप में जोड़ा जा सके।

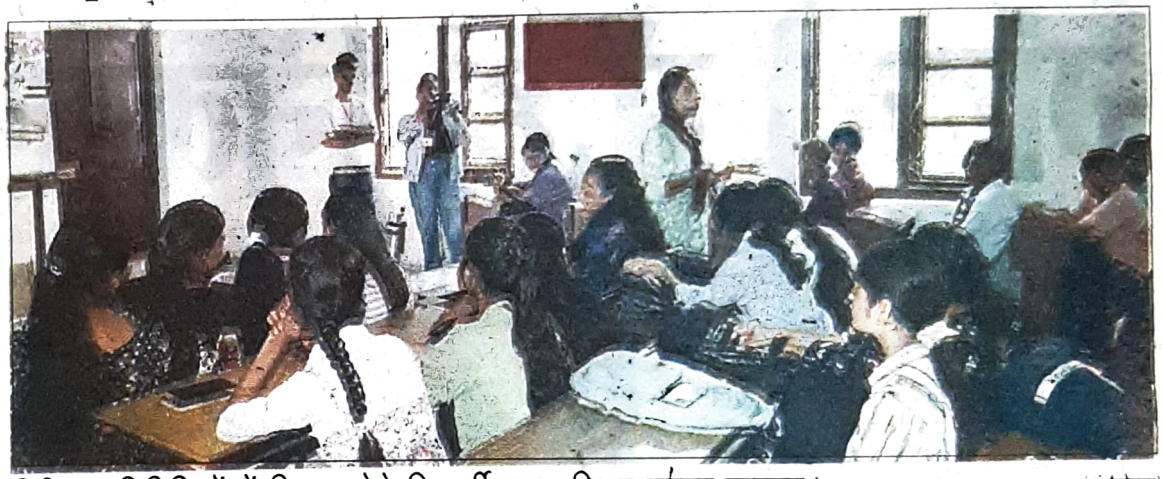

विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेते विद्यार्थी व उपस्थित स्टाफ सदस्य। (चंदमोहन)

बच्चों को उनके अधिकारों बारे बताया

वहीं, गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज की लीगल लिटरेसी सैल ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बाला एवं इंद्रीश फाऊंडेशन के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर बच्चों के अधिकारों पर जागरुकता व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम में लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर नेहा प्रवीण, इद्रीश फाऊंडेशन एवं डी.एल.एस.ए. अधिकारियों ने बच्चों के अधिकारों तथा विधिक साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का सफल आयोजन करने हेतु डा. भारती विज संयोजक ने डी.एल.एस.ए. अम्बाला एवं इंद्री फाऊंडेशन की टीम का धन्यवाद किया